हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 11 : जौनपुर, गुरुवार 05 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

आज राजस्थान और एमपी के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी, करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को चुनावी राज्य राजस्थान और मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह दोनों राज्यों में 17,600 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री राजस्थान में लगभग 5,000 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये परियोजनाएं सड़क, रेल, विमानन, स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा क्षेत्रों से संबंधित हैं। प्रधानमंत्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), जोधपुर परिसर राष्ट्र को समर्पित करेंगे और इसके साथ ही जोधपुर हवाई अड्डे पर नये टर्मिनल भवन तथा वहां स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) श्ट्रॉमा सेंटर और क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के जबलपुर पहुंचेंगे और वहां 12,600 करोड़ रुपए से अधिक की कई

परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये परियोजनाएं सड़क, रेल, गैस पाइपलाइन, आवास और स्वच्छ पेयजल जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं। वह इंदौर में लाइट हाउस परियोजना के तहत निर्मित 1,000 से अधिक घरों का उद्घाटन करेंगे। पीएमओ ने कहा कि व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए मंडला, जबलपुर और डिंडोरी जिलों में 2,350 करोड़ रुपए से अधिक की कई जल जीवन मिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। प्रधानमंत्री सिवनी जिले में 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत की जल जीवन मिशन परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पीएमओ के अनुसार, राज्य के चार जिलों की इन परियोजनाओं से मध्य प्रदेश के लगभग 1,575 गांवों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में सड़क ढांचे में सुधार के लिए 4,800 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री 1,850 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें कटनी–विजयसोता (102 किलोमीटर) और मरवासग्राम–सिंगरौली (7,850 किलोमीटर) को जोड़ने वाली रेल लाइन का दोहरीकरण शामिल है। ये दोनों परियोजनाएं कटनी–सिंगरौली खंड को जोड़ने वाली रेल लाइन के दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा हैं। पीएमओ ने कहा कि इन परियोजनाओं से मध्य प्रदेश में रेल के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, जिससे राज्य में व्यापार और पर्यटन को लाभ होगा।

इस दौरान, प्रधानमंत्री विजयपुर–औरैयां–फूलपुर पाइपलाइन परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे और मुंबई–नागपुर–झारसुगुडा पाइपलाइन परियोजना के नागपुर जबलपुर खंड (317 किलोमीटर) की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री जबलपुर में लगभग 147 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित एक नये बॉटलिंग प्लांट को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

एजेन्सी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर जिले के कुज्जर इलाके में यह मुठभेड़ हुई। कश्मीर क्षेत्र पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, कुलगाम के कुज्जर इलाके में मुठभेड़ जारी है। पुलिस और सुरक्षाबल अपना काम कर रहे हैं।

इलाके में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। आतंकी ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे हैं और सुरक्षाबल उनकी नापाक हरकत का जवाब दे रही है। आतंकियों को जवाब देने का अभियान तब शुरू हुआ जब सुरक्षाबलों को इलाके में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। टीमें बनाकर इलाके को चारों तरफ से घेरा गया है। आतंकियों को सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। वहीं जवाब में सुरक्षाबलों ने भी आतंकियों को फायरिंग का जवाब देने शुरू किया। उसके बाद दोनों तरफ से गोलाबारी शुरू हो गई। इलाके के लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने के आदेश दिए गए हैं।

जमीन कब्जाने वाले भू माफिया पर कठोर कार्रवाई हो : योगी

एजेन्सी

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार तीसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की हर समस्या के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय या अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। प्रशासन का यह मंत्र होना चाहिए कि मनमानी किसी की नहीं चलेगी और न्याय सबको मिलेगा। गोरखनाथ मंदिर परिसर में बुधवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान

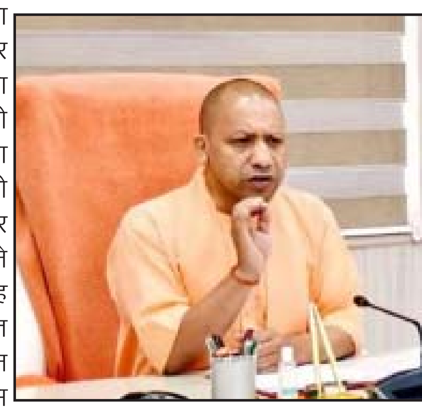

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

उप मुख्यमंत्री अजित पवार पुणे के नये गार्जियन मिनिस्टर नियुक्त किये गये

एजेन्सी

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को राज्य के 12 जिलों के लिए गार्जियन मिनिर्स्टरों की नियुक्ति की। उपमुख्यमंत्री अजित पवार को उनके गृह जिले पुणे की जिम्म्मेदारी दी गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि नाराज चल रहे अजित पवार की इस मामले में जीत हुई है और पार्टी सूत्रों के मुताबिक उनके सात मंत्रियों को भी नए गार्जियन मिनिस्ध्टर की जिम्मेदारी दी गई है। अजित पवार की नियुक्ति के साथ, पुणे के वर्तमान गार्जियन मिनिस्टर भारतीय जनता पार्टी के चंद्रकांत पाटिल को सोलापुर और अमरावती जिलों का प्रभार दिया गया है। अन्य भाजपा नेता और उनके संबंधित गार्जियन मिनिस्टर जिले इस प्रकार हैं। राधाकृष्ण विखे–पाटिल (अकोला), डॉ. विजयकुमार गावित (भंडारा), और सुधीर मुंगंतीवार (वर्धा)।

अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गुट से विभिन्न जिलों के लिए गार्जियन मिनिस्टर के रूप में नई नियुक्तियाँ हैं, दिलीप वाल्से–पाटिल (बुलढाणा), हसन मुश्रीफ (कोल्हापुर), धर्मराव बाबा अत्राम (गोंदिया), धनंजय मुंडे (बीड), अनिल पाटिल (नंदुरबार) और संजय बनसोडे (परभणी) ।गार्जियन मिनिस्टरों का मुद्दा कुछ समय से लटका हुआ था, जिससे तीन सत्तारूढ़ सहयोगियों, शिवसेना–भाजपा–राकांपा (एपी) के बीच मनमुटाव था। लेकिन अब यह सुलझता दिख रहा है।

पटरी से उतरी मुंबई लोकल ट्रेन, रेल सेवाएं हुई प्रभावित

एजेन्सी

मुंबई। मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर बुधवार को लोकल ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतर गया जिसकी वजह से उपरनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हादसे के समय उक्त ट्रेन में यात्री नहीं थे। पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर जब लोकल ट्रेन कार शेड में जा रही थी तो क्रॉसिंग प्वॉइंट (जहां ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर जाती है) पर एक पहिया पटरी से उतर गया। कुछ यात्रियों के अनुसार, इस घटना के कारण 'स्लो लाइन पर रेल सेवाएं प्रभावित रहीं। 'फास्ट लाइन पर रेल सेवाएं सुचारू रहीं। एक महिला यात्री ने दावा किया कि वह दादर स्टेशन पर 20 मिनट से अधिक समय तक इंतजार करती रहीं।

पीएम मोदी को एक रैली छोड़कर हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करने की खड़गे ने दी सलाह

एजेन्सी

रायगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर झूठों का सरदार निरूपित करते हुए उन्हे चुनावी राज्यों की एक रैली को छोड़कर छह माह से भी अधिक समय से हिंसा से जूझ रहे मणिपुर का दौरा करने की सलाह दी है। श्री खड़गे ने आज यहां आयोजित छत्तीसगढ़ सरकार के भरोसे के सम्मेलन में कहा कि चुनावी राज्यों में एक रैली कम करके श्री मोदी को मणिपुर जाना चाहिए। छह माह से अधिक समय हो गया है,राज्य हिंसा की आग में जल रहा है। महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हे मारा गया हैं।मणिपुर भी देश का हिस्सा है।देश के किसी राज्य में स्थिति इतनी खराब हो और देश के लोग वहां के हालात पर चिन्ता कर रहे हो, उस पर प्रधानमंत्री का चुप्पी साधे रहना आश्चर्यजनक है।

उन्होने आरोप लगाया कि मोदी की चुप्पी की वजह से वहां हिंसा और अशान्ति चल रही है।वह हिम्मत हार चुके है,अगर उनमें हिम्मत है तो जाकर वहां की समस्या को उन्हे सुलझाना चाहिए। श्री खड़गे ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दौरा किया ,बाद में 21 सांसदों के दल ने दौरा किया फिर प्रधानमंत्री वहां क्यों नही जाते।उनके पीछे तो सुरक्षा का बहुत बड़ा तंत्र साये की तरह रहता है। उन्होने कहा कि आप डर रहे हो ,इसलिए नही जा रहे हो। कांग्रेस को आउटसोर्सिंग के कल मोदी के लगाए आरोप का जिक्र करते हुए उन्होने पलटवार करते हुए कहा कि सच्चाई तो यह हैं कि भाजपा की आउटसोर्सिंग अडानी और बड़े बड़े लोगो को कर दी गई है,वह भाजपा को चला रहे है।हम तुम्हारे जैसे आउटसोर्सिंग करने वाले लोग नही है।लोकतंत्र के तहत सबको साथ लेकर चलना पड़ता है।दो लोग सरकार चला रहे है। मोदी निर्णय लेते है और अमित शाह उसे क्रियान्वित करते है।सरकार में किसी और को कुछ पता नही होता। उन्होने कहा कि विपक्षी मुख्यमंत्रियों से मोदी ने उनके राज्य की जरूरतों और समस्याओं पर कभी चर्चा की जरूरत नही समझी,और बड़ी बड़ी बाते करते है।राज्य सरकारों को मदद करने की बजाय उल्टे उन्हे धमकाते रहते है कि हमारी बाते सुनों नही तो ईडी,आईटी,विजिलेंस,सीबीआई भेज देंगे।जब इन एजेन्सियों से सरकार चलाना है तो फिर आपकी क्या जरूरत है। श्री खड़गे ने कहा कि जहां भी श्री मोदी जाते है वहां झूठ बोलकर आते है।छत्तीसगढ़ आए तो यहां झूठ बोला,राजस्थान,मध्यप्रदेश और तेलंगाना गए वहां भी झूठ बोलकर आए।..मैं नौ वर्षों से उनके झूठ को सुन रहा हूं,वह झूठों के सरदार हैं..

लोकसभा चुनावों को लेकर केरल का दौरा करेंगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

एजेन्सी

तिरुवनंतपुरम। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने के लिए कमर कस ली है। इसी को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत राज्य का दौरा करेंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के पास 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में अभी एक भी सीट नहीं है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत इस सप्ताह राज्य का दौरा करेंगे। वह राज्ध्य में चुनिंदा स्थानों पर जायेंगे। सूत्रों ने कहा है कि यह दौरा मूलतः मूड भांपने और उसके मुताबिक रणनीति बनाने के लिए है। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं और 2019 के लोकसभा चुनावों में, केरल भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 19 सीटों पर तीसरे स्थान पर रही और मात्र 15.64 प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर सकी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 47.48 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करते हुए 19 सीटें जीती। तत्कालीन सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे को 36.29 प्रतिशत वोट और एक सीट मिली।

किन्नरों ने निकाली कलश यात्रा, नगाड़े की थाप पर जमकर झूमें

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चल रहे विराट के किन्नर महा सम्मेलन में आज भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा कृष्णानगर कानपुर रोड स्थित अवस्थी उत्सव लॉन से शुरू होकर कृष्णा नगर स्थित दुर्गा जी के मंदिर पर पहुंचकर पूजा अर्चना की। मंदिर में विशाल घंटा समर्पित कर मंगल कुंभ कलश उठाया गया। इस आयोजन में पूरे भारत से किन्नर समाज के लोग शामिल होने के लिए आए थे।

सिक्किम में अचानक आई बाढ़, 3 लोगों की मौत, सेना के 23 जवान लापता

एजेन्सी

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गए और सेना के 23 जवान लापता हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अचानक बाढ़ आने और एक बांध से पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गई। बाढ़ मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे आई। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) के एक अधिकरी ने कहा, ''बचाव एवं राहत प्रयासों के दौरान सिंगताम से तीन शव बरामद किए गए हैं। एसएसडीएमए ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि ''ल्होनक झील के कुछ हिस्सों पर बादल फटने से बुधवार तड़के तीस्ता नदी बेसिन पर झील में अचानक जलस्तर बढ़ गया, जिससे मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में कई प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र में कहा कि सिक्किम के चार जिलों में सभी स्कूल आठ अक्टूबर तक बंद रहेंगे। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि लाचेन घाटी के कई प्रतिष्ठान बाढ़ की चपेट में आए हैं। चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण झील में जलस्तर अचानक 15 से 20 फुट तक बढ़ गया।

रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन डूब गए। उन्होंने बताया कि सेना के 23 जवानों के लापता होने की खबर है और 41 वाहन कीचड़ में धंसे हुए हैं। तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) बचाव अभियान चला रहा है और अभी तक 80 स्थानीय लोगों को बचा लिया गया है। गंगटोक जिले में सिंगताम पर बना एक पुल बुधवार को तीस्ता नदी में बाढ़ आने के कारण पूरी तरह से बह गया। इस पुल को इंद्रेणी पुल के नाम से भी जाना जाता है। 120 मीटर लंबा यह संस्पेंशन पुल तीस्ता नदी पर बना एक महत्वपूर्ण मार्ग था। सिक्किम सरकार के एक अधिकारी ने कहा, ''सिंगताम शहर के सभी प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है और नदी तट पर बसे दिकचू गांव के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर एक नजदीकी स्कूल में पहुंचाया गया है।श्श उन्होंने बताया कि रात को जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे दिकचू गांव के पास एनएचपीसी की पनबिजली परियोजना पर असर पड़ा है। मुख्यमंत्री पी एस तमांग ने तीस्ता नदी बेसिन में अचानक आई बाढ़ के कारण हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सिंगताम का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने सिंगताम नगर पंचायत कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और उनसे स्थिति पर नजर रखने को कहा। तमांग ने कहा, ''इस चुनौतीपूर्ण वक्त में, मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित हुए सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करना चाहता हूं।

मुख्यमंत्री ने आधुनिक भोपाल स्टेट मीडिया सेंटर के भूमिपूजन पर पत्रकारों को दी कई सौगातें

एजेन्सी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पत्रकार समाज और सरकार के मध्य सेतु की भूमिका निभाते हैं। पत्रकार समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की आवाज होते हैं। पत्रकारिता एक धर्म है, जिसके निर्वहन के लिए पत्रकार युद्ध, बाढ़, भूकम्प जैसी विपरीत स्थितियों में भी जीवन दांव पर लगाकर कार्य करते हैं। जब विपत्तियों में लोग सुरक्षित स्थान खोजते हैं, तब पत्रकार समाधान खोजते हैं। स्टेट मीडिया सेंटर भविष्य के ऐसे वृट वृक्ष के बीज रोपे जा रहे हैं, जिनसे अनुभवों की शाखाओं पर अनंत आशाएं साकार होंगी।

मुख्यमंत्री आज मालवीय नगर भोपाल में स्टेट मीडिया सेंटर के लिए भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ला, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने लघु समाचार पत्रों को एक माह के अंतराल से विज्ञापन जारी करने और 70 वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों को स्थायी अधिमान्यता कार्ड प्रदान करने की घोषणा की। हर साल पांच महिला पत्रकारों को महिला विकास कार्यों पर अध्ययन के लिए फैलोशिप प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पत्रकार समाज को प्राप्त वो आश्वासन है, जिनके होने से सुनवाई सुनिश्चित है। राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों के स्याही का अमूल्य योगदान है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पत्रकार और पत्रकारिता लोकतंत्र के प्राण हैं। मध्यप्रदेश की भूमि से पंडित माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता के पुरोधा बने। इसी धरती पर श्री हरिशंकर परसाई जैसे व्यंग्यकार हुए जिन्होंने समाज को आईना दिखाने का कार्य किया। स्व. श्री वेदप्रताप वैदिक ने हिंदी की प्रतिष्ठा के लिए कार्य किया। स्व. श्री प्रभाष जोशी ने नई भाषा दी। एक दौर था जब स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों ने भागीदारी की और परतंत्रता की बेड़ियां तोड़ने का कार्य किया। आपातकाल के खिलाफ भी पत्रकार लड़े। कोविड के कठिन दौर में पत्रकारों ने अपना दायित्व निभाया।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला, ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी को 9 अक्टूबर को तलब किया

एजेन्सी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी से नौ अक्टूबर को उसके अधिकारियों के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जांच एजेंसी ने अभिषेक की पत्नी रुजिरा को भी 11 अक्टूबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारी ने बताया, ''हमारे अधिकारी स्कूल भर्ती घोटाला मामले में नौ अक्टूबर को अभिषेक से और 11 अक्टूबर को उनकी पत्नी रुजिरा से पूछताछ करेंगे। दोनों से यहां हमारे सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है।इससे पूर्व ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के नेता के माता–पिता अमित और लता बनर्जी को इसी मामले में इस सप्ताह उसके

अधिकारियों के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया था। ईडी ने डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक को तीन अक्टूबर को उसके समक्ष पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। अभिषेक राज्य को उसकी कथित बकाया केंद्रीय निधि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नयी दिल्ली में आयोजित पार्टी की रैली में शामिल हुए थे। बता दें कि बंगाल में हुआ यह घोटाला साल 2014 का है। उस समय पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस वक्त पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में गड़बड़ी की कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल हुई थीं। आरोप लगे कि जिन कैंडिडेट के नंबर कम थे।

सम्पादकीय

धार पर वार

हाल के कुछ वर्षों में तेवरों की पत्रकारिता करने वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया पर जारी सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई की शृंखला में इस बार ऑनलाइन समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक पर गाज गिरी है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पोर्टल व उससे जुड़े पत्रकारों के तीस परिसरों पर मंगलवार को कार्रवाई की। इसमें कुछ वरिष्ठ पत्रकारों को विशेष प्रकोष्ठ ऑफिस ले जाया गया और घंटों पूछताछ हुई। आरोप है कि चीन के हितों की पूर्ति के लिये पोर्टल को विदेशी फंडिंग हुई है। एजेंसी की कार्रवाई के खिलाफ विभिन्न पत्रकार संगठनों तथा विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त हुई। आरोप है कि विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार अपनी आलोचना बर्दाश्त न करके मुखर मीडिया संस्थानों को सरकारी एजेंसियों के जरिये निशाने पर ले रही है। मीडिया से जुड़े लोग इस कार्रवाई को नये आपातकाल की दस्तक बता रहे हैं। बताते हैं कि मंगलवार की सुबह समाचार बेवसाइट न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ, वीडियो पत्रकार अभिसार शर्मा, पत्रकार भाषा सिंह, वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश, लेखक गीता हरिहरन, औनिंद्यो चक्रवर्ती, इतिहासकार सोहेल हाशमी व व्यंग्यकार संजय राजौरा के यहां विशेष प्रकोष्ठ ने छापेमारी की है। इन लोगों के मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किये गए। इसके अलावा बहुचर्चित सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता के घर भी कार्रवाई हुई है। हालांकि,शाम तक कई वरिष्ठ पत्रकारों को पूछताछ के बाद जाने दिया गया। लेकिन मीडिया संगठनों में पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की कार्रवाई के खिलाफ रोष बना रहा। दिल्ली पुलिस का कहना है कि यह छापेमारी अगस्त में दर्ज एक मामले में यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत की गई। दरअसल, अगस्त 2023 में न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में न्यूजक्लिक वेबसाइट पर आरोप लगाया गया था कि चीन का प्रोपेगेंडा फैलाने के लिये एक अमेरिकी करोड़पति ने उन्हें वित्तीय सहायता दी है। इसके बाद वेबसाइट के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इन आरोपों का न्यूजक्लिक ने खंडन किया था।

यह बात स्वाभाविक है कि जब देश विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक की रैंकिंग में पहले से ही निचले पायदान पर है तो पुलिस की इस कार्रवाई का कोई अच्छा संदेश तो नहीं जाएगा। हालांकि, सरकारी दलीलें दी गई हैं कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं और वे नियमों का पालन करते हुए अपना काम कर रही हैं। लेकिन ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि यदि आपके पास गलत स्रोत से पैसा आया है तो जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया समेत दूसरे संगठनों ने इस कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बयान में कहा गया है कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व मीडियाकर्मियों के हितों के लिये प्रतिबद्ध है। विपक्षी दलों का आरोप है कि विभिन्न मुद्दों पर मुखर अभिव्यक्ति करने वाले अखबारों व मीडिया संस्थानों को सरकारी एजेंसियों के जरिये निशाना बनाया जा रहा है। सवाल मीडियाकर्मियों के घरों पर पुलिस की छापेमारी के तौर–तरीके व आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत केस दर्ज करने पर भी उठाये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में शुरू हुए न्यूजक्लिक न्यूज पोर्टल को सरकार की आलोचना करने के लिये जाना जाता रहा है। पोर्टल की फंडिंग की जांच 2021 में भी हुई थी और दिल्ली पुलिस की आपराधिक शाखा ने वेबसाइट के खिलाफ केस दर्ज किया था। बाद में ईडी ने भी इस मामले में केस दर्ज किया। वहीं विपक्षी दल इस कार्रवाई को केंद्र सरकार की हताशा बता रहे हैं। बहरहाल, सवाल उठाये जा रहे हैं कि किसी स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करने वाले मीडिया संस्थानों पर ऐसी सख्त कार्रवाई करने का क्या औचित्य है? क्या यह लोकतंत्र में अधिनायकवाद की दस्तक तो नहीं है? मीडिया संस्थानों के खिलाफ गाहे–बगाहे कार्रवाई के पैटर्न को लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। कुछ विपक्षी दल इस कार्रवाई को बिहार के जातिगत जनगणना सर्वेक्षण के परिणाम से ध्यान हटाने की कवायद बता रहे हैं। साथ ही इसे संविधान में मिली अभिव्यक्ति की आजादी का भी अतिक्रमण कह रहे हैं।

भारत की दुविधा

नई दिल्ली में अफगानिस्तान का दूतावास पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यह घोषणा अफगानिस्तान में अशरफ गनी की निर्वाचित सरकार को तालिबान द्वारा हिंसा के बल पर उखाड़ फेंकने के दो साल बाद आई है। भारत की ओर से अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारत के लिए अफगानिस्तान में तालिबान का शासन एक दीर्घकालिक समस्या है। काबुल में तालिबान का शासन कायम होने के बाद से ही यह आशंका जतायी जा रही थी कि देरदृसबेर लश्करदृएदृतोयबाॅ जैशदृएदृमोहम्मदॉ अल कायदॉ इस्लामिक स्टेट और तालिबान कश्मीर का रुख कर सकते हैँ लेकिन पिछले दो वर्षों के दौरान अफगानिस्तान की भूमि से किसी तरह के आतंकवादी हमले और साजिश की रिपोर्ट नहीं आई है। लेकिन भारत सहित अन्य क्षेत्रीय देश हमेशा से सतर्क हैं। नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास बंद हो जाने से यह समस्या पैदा हो सकती है कि भारत मानवीय आधार पर काबुल की मदद आखिर कैसे पहुंचाएगा। भारत एकमात्र ऐसा देश हैँ जिसने तालिबान आतंकवादियों के खतरे को पहचान कर उसे किसी प्रकार की वैधानिकता प्रदान नहीं की है। कहा जा सकता है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत एक दूरदृष्टि संपन्न नैतिक शक्ति के रूप में उभरा है। अगस्त २०२१ में काबुल पर तालिबान का सत्ता स्थापित हुआ था। इसके कुछ ही समय बाद भारत के तालिबान प्रतिनिधियों के साथ संपर्क साधा था। दरअसलॉ भारत ने अफगानिस्तान को स्कूलॉ अस्पतालॉ सड़ध्क सहित आधारभूत ढ{ांचा और स्थानीय शासन के सामुदायिक केंद्र प्रदान किए हैं। साथ ही अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर खाद्यान्न सहित अन्य सहायता पहुंचा रहा है। वर्तमान समय में भारत काबुल स्थित अपने दूतावास में एक तकनीकी स्तर की टीम भी तैनात की है। टीम मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तालिबान शासन से समन्वय करती है। अब तालिबान शासक नई दिल्ली में अपना प्रतिनिधि तैनात करना चाहते हैं। भारत ने अभी तक उसे मान्यता नहीं दी है।

नई दिल्ली में अफगानिस्तान का दूतावास बंद होने के बाद भारत के सामने यह दुविधा आई है कि तालिबान सरकार को मान्यता दिया जाए या नहीं। हालांकि रक्षा विशेषज्ञों के एक वर्ग का मानना है कि अफगानिस्तान में अपने राजनीतिक दखल कायम करने के लिए तालिबान सरकार को मान्यता देनी चाहिए। आगे देखना है कि भारत का राजनय इस दुविधा से कैसे निबटता है। भारत के लिए अफगानिस्तान में तालिबान का शासन एक दीर्घकालिक समस्या है। काबुल में तालिबान का शासन कायम होने के बाद से ही यह आशंका जतायी जा रही थी कि देरदृसबेर लश्करदृएदृतोयबाॅ जैशदृएदृमोहम्मदॉ अल कायदॉ इस्लामिक स्टेट और तालिबान कश्मीर का रुख कर सकते हैँ लेकिन पिछले दो वर्षों के दौरान अफगानिस्तान की भूमि से किसी तरह के आतंकवादी हमले और साजिश की रिपोर्ट नहीं आई है। लेकिन भारत सहित अन्य क्षेत्रीय देश हमेशा से सतर्क हैं। नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास बंद हो जाने से यह समस्या पैदा हो सकती है कि भारत मानवीय आधार पर काबुल की मदद आखिर कैसे पहुंचाएगा। भारत एकमात्र ऐसा देश हैँ जिसने तालिबान आतंकवादियों के खतरे को पहचान कर उसे किसी प्रकार की वैधानिकता प्रदान नहीं की है।

जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय

विश्व में साम्यवाद (कम्युनिज्म) के प्रवर्तक कार्ल मार्क्स ने कहा कि किसी भी समाज में केवल दो ही जातियां होती हैं 'अमीर और गरीब' और इन्हीं के बीच की आर्थिक खाई को पाटने का नाम 'साम्यवाद' है जिसके रास्ते भी उन्होंने सम्पत्ति के बंटवारे और सत्ता में आधिपत्य के जरिये बताये। कार्ल मार्क्स जब अपना दर्शन लिख रहे थे तो यूरोप औद्योगिक क्रान्ति के रास्ते से गुजर रहा था जबकि अंग्रेजों के साम्राज्य में ही जी रहा भारत इससे कोसों दूर था। भारतीय उपमदाद्वीप में कार्ल मार्क्स का यह सिद्धान्त फेल हो गया क्योंकि यहां का समाज जातियों व उपजातियों में इस प्रकार बंटा हुआ था कि अमीर और गरीब की पहचान जातियों की पर्याय बनी हुई थी। गरीब जातियां और अमीर जातियां ही नहीं बल्कि सामाजिक सम्मान में भी इन जातियों की पहचान इस प्रकार थी कि इन जातियों के आर्थिक जगत में काम या व्यसाय भी बंटे हुए थे और इस प्रकार बंटे हुए थे कि कुछ जातियों के लोगों का कार्य केवल अमीर समझी जाने वाली जातियों की सेवा के कामों का ही था। इन सेवा के कामों का वर्गीकरण इस प्रकार था कि गरीब जातियों में भी सबसे गरीब जातियों का काम अपने से सम्पन्न समझी जाने वाली जातियों के सेवा

कर्मों का था। भारतीय उप महाद्वीप में जातियों के इतने जटिल वर्गीकरण ने गरीबी और आय का बंटवारा भी इसी अनुपात में करने में प्रमुख भूमिका निभाई। अतः भारतीय सन्दर्भों में सामाजिक व शैक्षिणिक पिछड़ेपन की पहचान भी जातिगत आधार पर होना तार्किक कहा जा सकता है क्योंकि सकल विश्व में केवल भारतीय उपमहाद्वीप ही ऐसा क्षेत्र है जहां जातिगत पहचान से व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्तर और उसके पेशे या काम की पहचान की जाती थी। इसलिए भारत में जाति एक हकीकत है और समाज में भीतर तक पैठ बनाये हुए हैं। बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना करा कर जो बम विस्फोट करने का प्रयास किया है उसकी गूंज निश्चित रूप से देश व प्रदेशों की राजनीति में सुनाई पड़ेगी क्योंकि जातिगत पहचान समाज में प्रतिष्ठापित है और इसका सम्बन्ध सामाजिक व आर्थिक विकास से है। इसके साथ शैक्षणिक विकास अन्तरंग रूप से जुड़ा हुआ है क्योंकि इसके बिना सामाजिक व आर्थिक विकास संभव नहीं है। भारत चूंकि गांधी का देश है अतः गांधीवाद सीधे मार्क्सवाद को इसके हिंसा के सिद्धान्त की वजह से नकारता है मगर समाजवाद और सामाजिक न्याय की बात करता है। गांधी का समाजवाद 'न्याय' के सिद्धान्त पर टिका हुआ है और 'ट्रस्टीशिप'की बात करता है अर्थात अन्तर्जातीय समाज की बात करते हुए सम्पत्ति के समान रूप से न्यायोचित बंटवारे की बात करता है तथा वकालत करता है कि अमीर से अमीर व्यक्ति को अपनी भौतिक आवश्यकताओं व खर्च की अधिकतम सीमा तय करके शेष धन समाज के हित में खर्च करना चाहिए। गांधी का यह सिद्धान्त कमोबेश रूप से भारत में व्यापारियों के 'धर्म खाते' की अनुपालना में नजर भी आता है मगर इससे जातिगत व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता और गरीब जातियों की आर्थिक व सामाजिक हालत को बदलने में लेशमात्र भी मदद नहीं मिल पाती। अतः गांधी के बाद भारत में 'गांधीवादी समाजवाद' की बात भी हुई मगर उसमें भी गरीब जातियों को समाज समेत सत्ता में उनकी जनसंख्या के हिसाब से भागीदारी देने की बात करने से गुरेज किया गया जबकि आजादी मिलते ही अनुसूचित जातियों व जन जातियों को उनकी आबादी के अनुपात में यह अधिकार दे दिया गया। हिन्दू समाज वैदिक काल से ही कभी इकसार (होमोजीनियस) समाज नहीं रहा हालांकि जैन, बौद्ध, आजीवक व सिख दर्शन ने इसे इकसार या एक समान बनाने का सिद्धान्त प्रतिपादित जातिविहीन समाज की स्थापना के रूप में किया किन्तु समाज में कार्यों के बंटवारे ने हमेशा जातिबोध को कायम रखा। इसका एक निदान गांधी ने बीसवीं सदी में अछूतोद्धार आन्दोलन चला कर किया और दलितों के साथ सदियों से किये जा रहे पशुवत व्यवहार का खात्मा किया परन्तु अंग्रेजी शासन से मुक्त हुआ भारतीय समाज सामन्ती समाज था जिसकी कर्णधार राजा बनी बैठी जातियां धार्मिक आचार्यों की मदद से जातिगत जड़ों को सर्वदा हरा बनाये रखते हुए सम्पन्न जातियों के हितों की रक्षा करती थीं। गांधी के लोकतन्त्र ने हर नागरिक को एक वोट का संवैधानिक अधिकार देकर इसे जड़ से खोखला किया और गरीब जातियों को यह अधिकार दिया कि वे अपनी संख्या के आधार पर सत्ता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकती हैं। इसे राजनैतिक आजादी का नाम दिया गया। मगर इस राजनैतिक आजादी में भी जातिगत गोलबन्दी करके नव 'इजारेदरी' शुरू हुई, परिणामस्वरूप नये 'राजनैतिक समान्तों' ने जन्म लिया। असली सवाल इसी जाल को तोड़ने का है। साठ के दशक में बेशक समाजवादी चिन्तक डा. राम मनोहर लोहिया ने नारा दिया था कि "जाति तोड़ों दाम बांधो" मगर इसके समानान्तर ही उन्होंने पिछड़ी जातियों को आगे लाने का आह्वान भी किया और अपनी पार्टी संसोपा में इसे क्रियान्वयित भी किया। लोकतन्त्र में यह संभव नहीं है कि जिस समाज (पिछड़े) की जनसंख्या 63 प्रतिशत हो उस पर 15 प्रतिशत समाज के लोग राज करते रहें और सत्ता में अपना प्रभुत्व बनाये रखें। इसे देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि हम जातिगत जनगणना से निकले उस यक्ष प्रश्न का हल ढूंढे जिससे सामाजिक न्याय हर जाति के दरवाजे तक पहुंचे।

पाकिस्तान के बाद अब कनाडा भी बना भारत की परेशानियों का सबब

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता के बाद से ही चीन और पाकिस्तान भारत के लिए स्थाई सिरदर्द बने हुए हैंस पिछले दो दशक से अब कनाडा भी भारत के लिए परेशानी का सबक बन गया है। कनाडा शुरू से खालिस्तानी आतंकवादियों का केंद्र रहा है भारत में खालिस्तानी आतंकवाद को जन्म देने के लिए और भारत को अशांत करने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई,एस,आई उसे हर तरह की मदद ट्रेनिंग और आर्थिक मदद देता आ रहा है। खालिस्तान के आतंकवादियों को कनाडा के वीजा से पाकिस्तान गए पनाह देकर आतंकवादी गतिविधियों की ट्रेनिंग देता आया है इसके अलावा वह उन्हें फंडिंग भी करता है, कनाडा अपने राजनीतिक हित में आतंकवादियों और पाकिस्तान का अपने देश खुलकर साथ दे रहा है। यह तो कर विदित है कि चीन पाकिस्तान का भी वित्तपोषक है, और चीन से प्राप्त अरबों डॉलर की मदद का बड़ा हिस्सा अपनी सेना के बजट में शामिल करता है और पाकिस्तान आर्मी अपनी खुफिया एजेंसी की मदद से भारत में अन्य आतंकवादी संगठनों के साथ खालिस्तान आतंकवादियों को भी उकसाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है। भारत लगातार कनाडा तथा खालिस्तानी आतंकवादियों की गतिविधियों को उजागर कर संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में अपनी आवाज उठाता रहा है पर कनाडा पाकिस्तान और चीन के कान में जून तक नहीं रेंगती है। ड्रैगन एशिया की शांति के साथ वैश्विक शांति के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बना हुआ है फिर चाहे दोस्ती का मामला हो या दुश्मनी का,चीन भारत का परंपरागत दुश्मन है ही और गाहे–बगाहे वह भारत की सीमा पर अतिक्रमण करता रहता है।इसी तरह ड्रैगन अपने छोटे–छोटे मित्र राष्ट्रों को जिनकी वह मदद करता है उनके कई क्षेत्रों में कब्जा जमा चुका है, इसका सबसे बड़ा एवं ताजा उदाहरण श्रीलंका है। श्रीलंका चीन के कारण कंगाली के कगार पर पहुंच चुका था, अब पाकिस्तान की बारी है वह अब बाल्टीस्तान को पाकिस्तान से कई वर्षों के लिए अपनी दी गई उधारी के बदले लीज पर लेने वाला है वह भी पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। पाकिस्तान की हैसियत अब चीन से लिए गए कर्जे को वापस करने की रह नहीं गई है कि इन परिस्थितियों में पाकिस्तानी सरकार ने चीन के सामने घुटने टेक दिए हैं, अब पाकिस्तान चीन की हर शर्त मानने को तैयार है। नेपाल तथा बांग्लादेश भी चीन की दादागिरी से त्रस्त हैंस चीन के लिए लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश में घुसपैठ का अनुकूल समय आने वाला है, वर्षा ऋतु तथा ठंड उसके लिए घुसपैठ का अनुकूल समय होता है ।भारत को सीमा पर चीन तथा पाकिस्तान से उसे सावधानी रखनी होगी तब जाकर देश की रक्षा हो सकेगी, अब ड्रैगन का एक ही सिद्धांत है विस्तार वाद और वह भी किसी भी कीमत पर,अब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक डिक्टेटर की तरह चीन के प्रशासन को हंटर से चला रहे है और विदेश नीति में वह अत्यंत लालची, विस्तार वादी हो गया है। चीन पिछले कई दशक से अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को बढ़ाने में लगा हुआ है। और इसी आर्थिक तथा युद्ध कला की शक्ति पर वह कई देशों को अपने कुत्सित इरादों के चलते खुलेआम धमकी भी देने लगा है। इजराइल फिलिस्तीन युद्ध के समय उसने फिलिस्तीन का साथ देते हुए इजरायल तथा अमेरिका को स्पष्ट तौर पर धमकाया था, कि युद्ध यदि आगे बढ़ा और अमेरिका ने इस युद्ध में दखल दिया तो अमेरिका बुरी तरह हार का मुंह देखेगा। चीन के प्रवक्ता ने यह भी कहा था कि इस युद्ध में अमेरिका की मुस्लिम देशों के प्रति उदारवादी मानव अधिकार की नीति कहां अचानक गायब हो गई,ऐसे में इसराइल तथा अमेरिका की चीन खुलेआम खिलाफत करता रहा है। चीन ने मूल रूप से चीन सागर तथा अरब सागर में अपने आप सामरिक बेड़े तथा समुद्री जहाजों को भेजकर वैश्विक स्तर पर अमेरिका फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, मलेशिया, भारत,तथा अन्य पड़ोसी देशों में अशांति तथा भय का वातावरण बना दिया था ।चीन के समुद्री सीमा पर कई देशों की सीमाओं के अतिक्रमण के फल स्वरुप अमेरिका, फ्रांस, जापान तथा भारत इन 4 देशों में चीन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण क्वाड सम्मेलन पिछले कुछ माह पहले आयोजित किया था। जिसमें इन 4 देशों ने आपसी सहयोग कर अरब चीन तथा प्रशांत महासागर में चीन की दादागिरी तथा विस्तार वादी नीति को नियंत्रण में रखने के लिए अनेक समझौते किए, और इसके पश्चात नौसैनिक संयुक्त अभ्यास भी किए थे, इस नौसैनिक अभ्यास तथा संयुक्त समझौते ने चीन को चौकन्ना कर दिया था। एवं भारत की रूस से पुरानी दोस्ती में खलल डालने का भी प्रयास चीन सरकार द्वारा किया गया,चीन नहीं चाहता है कि रूस अपना वरदहस्त भारत पर रखें। और इसी के चलते उसने लद्दाख की भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की थी,पर भारत की सामरिक शक्ति ने उसके इस बाहुबली प्रयास को नेस्तनाबूद कर दिया था। चीन अपनी आर्थिक तथा सामरिक ताकत के बल पर अमेरिका को सीधी टक्कर देने की स्थिति में आ गया है। और वह बाकी देशों को अपने बताए गए निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य करना चाहता है। इस स्थिति में 4 देशों का क्वाड सम्मेलन चीन की सामरिक ताकत के खिलाफ एक सशक्त मुहिम मानी गई है,विगत दिनों चीन ने बांग्लादेश को स्पष्ट धमका कर कह दिया है कि यदि बांग्लादेश क्वाड सम्मेलन के किसी भी देश अथवा समुद्री सीमा पर उनकी मदद करेगा, तो चीन से बुरा कोई नहीं होगा। चीन में भूटान, नेपाल,बांग्लादेश तथा पाकिस्तान की सीमा पर भूमि को आधिपत्य में लेकर अपने कई सामरिक गांव बना लिए हैं,और चीन सागर पर वह अपनी सामरिक गतिविधि तेज कर चुका है। मलेशिया तथा इंडोनेशिया के समुद्री क्षेत्र में वह अतिक्रमण कर चुका है। चीन अपने कुल मिलाकर 18 पड़ोसी देशों की समुद्री सीमा तथा भूमि पर कब्जा जमाने के जुगत में कई जगह अतिक्रमण कर चुका है। वह अपनी विस्तार वादी नीति को आर्थिक समृद्धि एवं सामरिक शक्ति के दम पर पूरे विश्व में अपनी ताकत तथा शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता है, बड़े देशों में अमेरिका, फ्रांस,ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड चीन के सीधे निशाने पर है। वहीं अमेरिका चीन के साथ कई हुए समझौतों को विगत दिनों वर्तमान राष्ट्रपति जो वार्डन के नेतृत्व में बर्खास्त कर चुका है। इससे यह तो स्पष्ट हो गया कि अमेरिकी नवीन प्रशासन चीन की विस्तार वादी नीतियों को भापकर उसका खुला विरोध कर रहा है। और इस विरोध की आग में घी का काम इजराइल फिलिस्तीन युद्ध में अमेरिका द्वारा इजराइल को समर्थन देकर कर दियास पिछले कई वर्षों से चीन भारत की सैन्य शक्ति को सदैव कम करने तथा उसकी घेराबंदी का प्रयास करता रहा हैस और इसी कोशिश के अंतर्गत वह पाकिस्तान जैसे भारत के दुश्मन देश को परमाणु अस्त्र मिसाइल, आधुनिक तकनीक तथा युद्ध की सामग्री मुहैया कराता रहा है,और ऐसे देश जो भारत का थोड़ा बहुत भी विरोध करते हैं उन्हें वह राजनीतिक आर्थिक तथा सैन्य सहायता प्रदान करने से नहीं चूकतास और यह प्रयास पड़ोसी देशों में भारत के प्रभाव तथा संप्रभुता को कम करने के प्रयास के अंतर्गत होता है। और इस बात के कई सबूत तथा प्रमाण हैं, कि भारत के विरोध में चीन पाकिस्तान की मदद से श्रीलंका, नेपाल तथा बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्वों का साथ देता आया है। चीन नई वैश्विक व्यवस्था मैं अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया जापान, रूस से ऊपर सिरमौर बनना चाहता है ।उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्वाड समूह को अत्यंत संकीर्ण उद्देश्य वाला ग्रुप करार कर दिया है। चीन के कारण वियतनाम तथा फिलिपिंस की समुद्री इलाके में चीनी नौसेना की घुसपैठ से हमेशा तनाव बना रहता है,और समुद्री सीमा पर उल्लंघन के मामलों का अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का सदैव चीन उल्लंघन कर फैसले की धज्जियां उड़ाई गई हैं। क्वाड देश अभी तक अपना उद्देश्य एक दूसरे से सैन्य सहयोग पर केंद्रित रखे हुए हैं। और चीन की 18 देशों में घुसपैठ तथा चीन की वैश्विक नई व्यवस्था के विस्तार वादी मंसूबों के कारण अब इन चार देशों को अन्य एशियाई देशों में भी विस्तारित करना होगा, वरना चीन अपनी विस्तार वादी तथा दादागिरी को अपना हक समझकर अशांति फैलाने का काम करता रहेगा। जो वैश्विक का अशांति का मूल कारण बन सकता है।

अस्तित्व पर उठते सवाल

प्रमोद भार्गव

अभी तक एलियंस के दावे हवादृहवाई थीं लेकिन अब वैज्ञानिकों ने मैक्सिको की संसद में एलियंस के दो शव पेश करके दुनिया को हैरानी में डाल दिया है। ऐसा पहली बार हुआ है कि कथित एलियंस की ममियां पेश करके उनकी उम्र ७०० और १८०० वर्ष बताई गई है। अब इस मामले में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या वाकई ये लाषें एलियन की ही हैं। क्या यह हरकत किसी षड्यंत्र का हिस्सा है। बावजूद वैज्ञानिकों का दावा है कि इन ममियों को पेरू के कुस्को क्षेत्र से प्राप्त किया गया है। ध एलियंस होने के दावे कोई नई बात नहीं है। अनेक मर्तबा यूएफओ और एलियंस को देखे जाने के दावे तो किए गए हैं लेकिन वैज्ञानिक एलियन का कोई साप्य प्रस्तुत नहीं कर पाए। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी देश की संसद में एलियन के शव बतौर सबूत पेश किए गए हैं। हैरानी इस बात पर भी है कि जिस पराग्रही जीव के होने के अंदाज लगाए जाते रहे हैं उनके बारे में वैज्ञानिक दावे हैं कि ये चोरीदृछिपे पृथ्वी पर आते हैं और पृथ्वीवासी मनुष्य की गतिविधियों पर नजर रखते है। विज्ञान की उपलब्धियों में ये हमसे हजारों गुना ज्यादा जानते हैं। एलियंस ब्रह्मांड के किसी ग्रह उपग्रह के ऐसे निवासी माने जाते हैं जो बुद्धि में मनुष्य से तेज हैं। हमारे ही नहीं विश्व के प्रत्येक प्राचीन धर्म की पौराणिक कथाओं में सुदूर ग्रह या लोकों के देवताओं के पृथ्वी पर आनेदृजाने का उल्लेख मिलता है। इन पौराणिक कथाओं के शाब्दिक अर्थों के प्रकाश में उनकी ताद्दकक उपस्थिति की पड़ताल के लिए वैज्ञानिक सक्रिए हुए हैं। दूसरी ओरॉ प्रसिद्ध वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने एलियंस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने इन्हें पृथ्वी निवासी मानव अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बताया था। उनकी शंका थी कि एलियंस हमसे बेहतर तकनीक वाले जीव हो सकते हैं। हालांकि तमाम जीवविज्ञानियों का मानना तो यहां तक है कि अतीत में सुदूर ग्रहों से परलोकीय प्राणी पृथ्वी पर आए थे और उन्होंने ही मनुष्य को सभ्य होने का रास्ता दिखाया था। अब हमारे पुराणों में तो जितने देवता हैं उनका निवास परलोक ही है। ये देवता धरती व अन्य ग्रहों पर अपने आकाशगामी यानों से आयादृजाया करते थे। हालांकि अब अनेक परंपरागत जड़ताएं टूट रही हैं। वैज्ञानिक एलियंस की सच्चाई को समझने के लिए पराग्रही देवताओं के काल्पनिक व अविश्वसनीय से लगने वाले अस्तित्व में भी झांक रहे हैं। सुमेर के प्राचीन इतिहास में उल्लेख है कि प्राचीन सुमेरवासी ऐसे लोगों के वंषज हैं जो मानव नहीं थे तथा अन्य ग्रहों से पृथ्वी पर आए थे। सुमेर की दंतकथाओं में भी यही उल्लेख है। इन कथाओं में 'अपकल्लूश नामक देवता का जिक्र बारदृबार आया है। सुमेर की प्राचीन शैलदृभित्तियों पर कीलाक्षर लिपि में ताम्रदृपत्रों पर जो वर्णन हैं उससे ज्ञात होता है कि इस देवता का अवतरण प्राचीन सुमेर के जन्म के कई हजार वर्ष पूर्व हुआ था। अमेरिकी खगोलशास्त्री जेएन हाइन 'अंतरिक्ष में जीवनश विषय पर शोधरत हैं। उनका मानना हैं 'पृथ्वी के अतिरिक्त अन्य ग्रह भी हैं जहां मनुष्य से भी अधिक उन्नत और सभ्य प्राणी निवास करते हैं।श रूसी खगोलशास्ईत्री वेलारिना जूरावलेवा ने कहा था कि 'अपने अध्ययन से हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि अंतरिक्ष के विभिन्न ग्रहों से अंतरिक्ष यात्री अपने अंतरिक्ष यानों द्वारॉ प्राचीन काल से पृथ्वी पर आते रहे हैं। हमारी परिकल्पना है कि ये अंतरिक्ष यात्री पौराणिक कथाओं के दवता रहे होंगेघ्श ब्रितानी वैज्ञानिक जॉन केज ने स्वीकारा है कि 'ग्रहों से पृथ्वी पर आने वाले प्राणीॉ वास्तव में दूरस्थ ग्रहों के ऐसे संज्ञावान प्राणी हैं जिनकी रचना ऋणात्मक विद्युत से हुई है। वे मानव निद्दमत सजीव पदार्थों के किसी भी वर्ग में नहीं आते। जब कभी उनमें विद्युत ऊर्जा अधिक हो जाती हैं तो वे अतिरिक्त ऊर्जा को विसद्दजत करने पृथ्वी पर आ जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान वे नाना रंगॉ रूप और आकार धारण करते हैं।श नासा में भारतीय वैज्ञानिक रहे डॉ. राम सिन्हा ने कहा था कि 'अंतरिक्ष की खोज से संबंधित वैज्ञानिक अब यह मानते जा रहे हैं कि अतीत में सभ्य ग्रहों के समृद्धशाली व तकनीक से संपन्न लोग पृथ्वी पर आ चुके हैं। उन्होंने पृथ्वी और अन्य अविकसित ग्रहों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिएॉ अंतरिक्ष में कहीं अपना ठिकाना भी बना रखा है।शध अब वैज्ञानिकों के सामने प्रश्न है कि एलियंस से ऐसी कौन सी भाषा या लिपि में संवाद किया जाएॉ जिसे वे समझ सकें और प्रतिउत्तर भी भेज सकें। चूंकि वैज्ञानिकों को अब तक यही अंदाजा है कि पराग्रही मानवों की सरंचना भी धरती के प्राणियों जैसी ही होगी। रूस में जिस एलियंस की लाश एक महिला के घर में मिली हैं उसकी आकृति हुबहू मनुष्य जैसी ही हैं लेकिन वह बौना है। हालांकि हमारे कुछ वैज्ञानिकों की धारणा है कि पराग्रही शायद इतने विकसित हो चुके हैं कि वे स्वयं खतरों की आशंका वाली अंतरिक्ष यात्रा पर नहीं निकलेंगे। बल्कि वहां के वैज्ञानिक और जीव वैज्ञानिकों ने मिलकर अब तक एक ऐसे मानव की उपदृप्रजाति विकसित कर ली होगी।

जो दूसरे ग्रहों के जीवनदृउपयोगी लक्षण समझने में सक्षम होंध बहरहाल जब तक जीवित एलियन से मनुष्य का सामना नहीं हो जाताॉ तब तक एलियन के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए जाते रहेंगे। अब इस मामले में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या वाकई ये लाषें एलियन की ही हैं। क्या यह हरकत किसी षड्यंत्र का हिस्सा है। बावजूद वैज्ञानिकों का दावा है कि इन ममियों को पेरू के कुस्को क्षेत्र से प्राप्त किया गया है। ध एलियंस होने के दावे कोई नई बात नहीं है। अनेक मर्तबा यूएफओ और एलियंस को देखे जाने के दावे तो किए गए हैं लेकिन वैज्ञानिक एलियन का कोई साप्य प्रस्तुत नहीं कर पाए। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी देश की संसद में एलियन के शव बतौर सबूत पेश किए गए हैं। हैरानी इस बात पर भी है कि जिस पराग्रही जीव के होने के अंदाज लगाए जाते रहे हैं उनके बारे में वैज्ञानिक दावे हैं कि ये चोरीदृछिपे पृथ्वी पर आते हैं और पृथ्वीवासी मनुष्य की गतिविधियों पर नजर रखते है। विज्ञान की उपलब्धियों में ये हमसे हजारों गुना ज्यादा जानते हैं। एलियंस ब्रह्मांड के किसी ग्रह उपग्रह के ऐसे निवासी माने जाते हैं जो बुद्धि में मनुष्य से तेज हैं। हमारे ही नहीं विश्व के प्रत्येक प्राचीन धर्म की पौराणिक कथाओं में सुदूर ग्रह या लोकों के देवताओं के पृथ्वी पर आनेदृजाने का उल्लेख मिलता है। इन पौराणिक कथाओं के शाब्दिक अर्थों के प्रकाश में उनकी ताद्दकक उपस्थिति की पड़ताल के लिए वैज्ञानिक सक्रिए हुए हैं। दूसरी ओरॉ प्रसिद्ध वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने एलियंस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने इन्हें पृथ्वी निवासी मानव अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बताया था। उनकी शंका थी कि एलियंस हमसे बेहतर तकनीक वाले जीव हो सकते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कृष्ण लीला का हुआ वर्णन

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव में फिल्म अभिनेता चंदन सेठ के पैतृक आवास पर चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन बुद्घवार को कथावाचक बाल व्यास शशिकान्त महाराज(श्रीकाशी) ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन सुनाया।कथा के प्रारम्भ में कथा की शुरूआत अंजू यादव महिला थानाध्यक्ष बड़ागांव,प्रियंका श्रीवास्तव महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष भाजपा व सुष्मिता सेठ बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ संयोजक भाजपा काशी क्षेत्र ने द्वीप प्रज्जवतित कर किया।तत्पश्चात कथावाचक शशिकान्त महारज ने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है।

पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है।लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं।उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं।भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं।

इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं।वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं।भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत को नीचे बुला लेते हैं।जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं।जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं।अंतरराष्ट्रीय देवी गीत गायक रविंद्र सिंह ज्योति ने अपने चर्चित भजन माटी के मुरतिया बोल दीहे,चिरई रहती जे हम मयरिया गीत गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।इस अवसर पर भजन गायक अवधेश पाठक मधुर,गायक अवनिंद्र तिवारी,मीना यादव महिला सब इन्सपेक्टर थाना बड़ागांव,भाजपा नेता लाल प्रताप सिंह,अनुराग वर्मा व्यापार मंडल अध्यक्ष,विष्णु सेठ सभासद भाजपा, प्रदेश प्रवक्ता अखिल भारतीय कायस्थ महासभा विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ,राजू शुक्ला,अमित यादम,सोनू सेठ,सुदर्शन मिश्रा,मुन्ना सेठ,महेश सेठ,विनय वर्मा,संगम जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्घालु मौजूद रहे।

एनआईआरएफ रैंकिंग, नैक हेतु हो सार्थक प्रयास : प्रो बलराज चौहान

शोध की गुणवत्ता में करें सुधार : कुलपति

एनआईआरएफ रैंकिंगतथा नैक एक्रीडिटेशन के लिए हुई कार्यशाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग तथा सेंटर फॉररिसर्च इन स्कीम्स एंड पॉलिसिज (क्रिस्प) के मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग केअंतर्गत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय तथा क्रिस्प के संयुक्त तत्वावधानमें एनआईआरएफ रैंकिंग तथा नैक एक्रीडिटेशन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुधवारको कुलपति सभागार में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय से संबद्ध पूर्व चयनित 28 महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं उनके प्रतिनिधि के साथ एनआईआरएफ रैंकिंग तथा नैक एक्रीडिटेशन में आवेदन की प्रक्रिया तथा उच्च रैंकिंग प्राप्तकरने हेतु विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना था। इसके साथ साथ प्रोजेक्ट फॉर एक्सीलेंस इन हायर लर्निंग एंड एजुकेशन इन यूपी (पीइएचएलइ दृ यूपी) में निहितउद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के शुरुआत में कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है जिसमें शिक्षा का स्तर, शोध की गुणवत्ता केअलावा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों को भी पूरा करना है। कट पेस्टवाले शोध बंद होना चाहिए। एक अच्छे महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में न केवलदुनिया भर के छात्र– छात्राएं प्रवेश लेते है अपितु हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था मजबूतहोती है। उन्होंने समस्त महाविद्यालयों से अपील की कि वे आगामी एनआईआरएफ रैंकिंगतथा नैक एक्रीडिटेशन के लिए अपने महाविद्यालय को पंजीकृत करें तथा अच्छी रेटिंग वरैंकिंग प्राप्त करें।कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता प्रोबलराज चौहान, स्टेट लीड, क्रिस्प ने कहा किऊप्र के आठ हजार महाविद्यालयों में किसी भी महाविद्यालय को एनआईआरएफ की रैंकिंगप्राप्त नहीं हुई है ,वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय से सबद्ध पांच महाविद्यालयोंमें इन्क्यूबेशन केंद्र बने है पर गतिविधि नहीं के बराबर है। ऐसे में यह अत्यधिकजरूरी है कि समस्त महाविद्यालयों को एनआईआरएफ रैंकिंग तथा नैक अक्रीडीटेशन प्राप्तकरने हेतु सार्थक प्रयास करना चाहिए जिसके लिए पीइएचएलइ दृ यूपी की योजनाविकसित की गयी है।तत्पश्चात क्रिस्प संस्था से आयेराहुल ने एनआईआरएफ के विभिन्न पैरामीटर पर विस्तार से बताया। उन्होंने एनआईआरएफ तथा नैक का अंतर समझाया तथा पुरातन छात्र से संपर्क, शिक्षक छात्र अनुपात, शोध प्रकाशन वप्लेसमेंट की दिशा में ज्यादा काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।इसके बाद क्रिस्प संस्था से आयीं दिव्या ने नैक के सातों क्राइटेरिया पर उपस्थित श्रोताओं के साथ चर्चा की तथा इसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता को विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येकमहाविद्यालय के अपनी एक वेबसाइट होनी चाहिए। इससे पहले आईक्यूएसी समन्वयक प्रो.मानस पांडेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एनआईआरएफ के नोडल अधिकारी प्रो. रामनारायण ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय से संबद्ध 28 महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं उनके प्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, प्रोअजय प्रताप सिंह, प्रो अविनाश पाथर्डीकर, प्रो रजनीश भास्कर, डॉ आशुतोष कुमारसिंह, डॉ गिरधर मिश्र,डॉ धर्मेन्द्र सिंह, प्रो सुधेश सिंह, प्रो जय कुमारमिश्रा, प्रो नूर तलत,समेत सुशील कुमार, पंकज, रोशन, श्वेता आदि उपस्थितरहे।

हरदोई जनपद के 787 स्कूलों से 3338 नामांकन

इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2023–24 में लखनऊ मण्डल से रिकॉर्ड 10127 नामांकन: डॉ0 दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2023–24 में इस वर्ष लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों से प्रदेश के नौनिहालों के लिए सर्वाधिक नामांकन किये हैं।

जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों हरदोई, लखनऊ,लखीमपुर खीरी,उन्नाव ,सीतापुर व रायबरेली ने रिकॉर्ड नामांकन करवाते हुए हरदोई को छोड़कर सभी जनपदों ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष मई माह में जब नामांकन के लिए पोर्टल खोला गया तब जुलाई माह तक नामांकन की रफ्तार बहुत ही कम थी, जिस पर लखनऊ मण्डल के जे डी माध्यमिक डॉ प्रदीप कुमार ने समीक्षा बैठक करते हुए मण्डल के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय से पांच पांच बेस्ट आइडियाज चयनित कर अधिक से अधिक नामांकन करने के कड़े निर्देश दिए जिससे अगस्त माह में नामांकन की रफ्तार में तीव्रता आयी।डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि प्रदेश से सम्मानजनक नामांकन के लक्ष्य की प्राप्ति के उद्देश्य से शिक्षा महानिदेशक उत्तर प्रदेश विजय किरण आनन्द द्वारा पूरे प्रदेश के सभी डी0आई0ओ0एस0 व बी0एस0ए0 की समीक्षा बैठक में नाराजगी जाहिर करते हुए हर एक जनपद को न्यूनतम एक एक हजार नामांकन करने के कड़े निर्देश दिए,जिसके

कारण लखनऊ मण्डल के सभी जनपदों से नामांकन की गति में सार्थक वृद्धि हुई,नामांकन के इस रिकॉर्ड आंकड़ों की एक वजह ये भी रही कि इस बार बेसिक शिक्षा परिषद के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों से भी बी एस ए की ओर से भी अधिक से अधिक नामांकन के लिए रणनीति बनाई गई,और नामांकन करवाये गए।

यही कारण है कि नामांकन की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2023 तक उत्तर प्रदेश राज्य में लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक 10127 नामांकन करवाये गए। डॉ दिनेश कुमार ने बताया लखनऊ मण्डल के रायबरेली जनपद को छोड़कर सभी 5 जनपदों ने दिए गए एक हजार नामांकन के लक्ष्य से अधिक नामांकन करवाते हुए पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

केन्द्र सरकार द्वारा नामांकन की गति बेहद कम होने के कारण छात्र हित मे एक बार अन्तिम तिथि 31 अगस्त 2023 को बढ़ाकर 30 सितम्बर 2023 किया जिसका ये परिणाम है कि लखनऊ मण्डल ने प्रदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। इस वर्ष मण्डल में–नामांकन के आंकड़े निम्नलिखित हैं– हरदोई जनपद के 787 स्कूलों से 3338 नामांकन,लखनऊ जनपद के 441 स्कूलों से 1764 नामांकन,लखीमपुर खीरी जनपद के 471 स्कूलों से 1600 नामांकन,उन्नाव जनपद के 344 स्कूलों 1558 नामांकन,सीतापुर जनपद के 469 स्कूलों से 1302 नामांकन,रायबरेली जनपद के 151 स्कूलों से 565 नामांकन करवाये गए।इस प्रकार लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों के 2663 स्कूलों द्वारा कुल 10127 नामांकन करवाकर पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़े गए।डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना क्लास 6 से 10 तक के सभी बोर्ड के छात्र छात्राओं में विज्ञान के क्षेत्र में रुचि बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, जिसमें छात्र छात्राओं का प्रथम स्तर पर चयन होने के उपरान्त रुपये दस हजार प्रोत्साहन राशि उनके बैंक खाते में डी बी टी के माध्यम से प्रदान की जाती है जिससे बच्चे अपने नवाचारी बेस्ट आइडियाज के मॉडल को मूर्तरूप देते हुए जनपद स्तर की प्रदर्शनी में अपने अपने मॉडल शोकेश करते हैं। इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना में कुल बेस्ट आइडियाज नामांकन के दस प्रतिशत बेस्ट आइडियाज वाले छात्र छात्राओं का चयन जनपद स्तर की प्रदर्शनी के लिए किया जाता है, जनपद स्तर की प्रदर्शनी में भी कुल उपस्थित मॉडल्स में से दस प्रतिशत मॉडल्स का चयन राज्य स्तर की प्रदर्शनी के लिए किया जाता है,फिर पूरे देश के राज्यों से चयनित बाल वैज्ञानिकों को राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय प्रदर्शनी में अपने अपने मॉडल शोकेश करने का अवसर प्राप्त होता है,

राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी से पूरे भारतवर्ष से कुल बेस्ट 60 बाल वैज्ञानिकों का चयन किया जाता है और भारत सरकार द्वारा उनको पुरष्कृत करते हुए दस दिन की जापान यात्रा करवाई जाती है।

– डॉ0दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने बताया कि अब लखनऊ मण्डल से जनपद स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित होने वाले सभी बाल वैज्ञानिकों को उनके जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय स्थापित कर उनके मॉडल्स को मूर्त रूप दिया जाएगा।

डीएम ने दी सहमति, जिले में संचालित होगा भू माफियाओं के विरुद्ध अभियान

सुलतानपुर। नवागत डीएम कृतिका ज्योत्स्ना बीते बुधवार को जिले के पत्रकारों से रूबरू हुई। इस मौके पर जिले की मीडिया से परिचय प्राप्त किया। पत्रकारों ने जिले में बढ़ते राजस्व के मामले और भू माफियाओं के ऊपर प्रभावी कार्रवाई का सुझाव दिया। डीएम ने सहमति जताते हुए जल्द राजस्व मामलों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर प्रभावी कार्रवाई के संकेत दिए।

डीएम इससे पूर्व जम्मू कश्मीर में जिलाधिकारी का पद संभाल चुकी। यूपी में प्रथम बार जिले की डीएम बनी हैं, माना जाय तो तजुर्बा अगर जम्मू कश्मीर का है तो यूपी का जिला आसानी से संभलेगा। फिलहाल नवागत डीएम ने प्रथम दिवस से ही जनता की शिकायतों को सुनना प्रारम्भ कर दिया है। डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता व जनकल्याणकारी योजनाओं को जिले में प्रभावी ढंग से लागू करना तथा जनता की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता होगी। परिचियात्मक बैठक में सीडीओ अंकुर कौशिक भी मौजूद रहे।

पीसीएफ के पेंशनरों ने सरकार से की छठे वेतनमान के एरियर की माँग

संवाददाता

लखनऊ। प्रादेशिक कोआपरेटिव फेडरेशन एवं ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंडल अध्यक्ष राजेश तिवारी की अध्यक्षता में पीसीएफ मुख्यालय में पेंशनरों की सभा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा 1जनवरी 2006 से 31 मार्च 2011 तक छठे वेतनमान के बकाया एरियर्स का भुगतान न करने पर विरोध जताया गया। सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि गत कई वर्षो से फेडरेशन लाभ की स्थिति में होने के बावजूद एरियर्स का भुगतान नहीं कर रहा है जबकि पेंशनर अत्यंत कम पेंशन होने के कारण आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से एरियर्स भुगतान के लिए आदेश जारी करने की अपील की। अपनी मांगों के समर्थन में पेंशनरों ने एक ज्ञापन प्रबंध निदेशक डॉ संजय कुमार को दिया।

समस्त उचित मूल्य विक्रेता के दुकान पर पात्र गृहस्थ राशन कार्ड धारकों का बनेगा आयुष्मान कार्ड

5 अक्टूबर से लेकर 8 अक्टूबर तक निर्धारित तिथि

सुबह 6 बजे से 9 बजे रात तक खुलेगी दुकान

गोरखपुर–जिलाधिकारी के आदेशानुसार आज दिनांक 5–10–2023 से 8–10–2023 तक आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाना है। सभी विक्रेता 6 यूनिट या उससे अधिक यूनिटों के पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को अपनी दुकान पर बुलाएंगे। पंचायत सहायक एवं आशा उचित मूल्य की दुकान पर ही बैठकर आयुष्मान कार्ड बनवाएंगी। दुकान सुबह 6:00 से लेकर रात्रि 9:00 बजे तक खुली रहेगी। सभी उचित मूल्य विक्रेता पूरे मनोयोग से यह कार्य संपादित करेंगे। जिस विक्रेता द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जाएगी उसके विरुद्ध प्रतिकूल कार्यवाही संपादित की जाएगी।

'जिला पूर्ति अधिकारी' 'गोरखपुर'

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ.प्र. की 115 वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 की 115वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक श्री नरेन्द्र भूषण, आई0ए0एस0, प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उ0प्र0 शासन एवं महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

1. इस बैठक में कुल 109 शोध प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गयी, जो परिषद द्वारा किसी भी वर्ष में स्वीकृत शोध प्रस्तावों से अधिक है। इन शोध प्रस्तावों पर कुल रू.1409.95 लाख का व्यय भार आयेगा।

2. दिव्यांगजनों हेतु आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्श पर आधारित, आई0ओ0टी0 ऑपरेटेड, हेलमेट कन्ट्रोल्ड इलेक्ट्रॉनिक व्हील चेयर विकसित किये जाने के लिये शोध प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। यह कार्य डॉ0 अम्बेडकर इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फार हैण्डीकैप्ड, कानपुर द्वारा किया जायेगा।

3. किसी एक लोकेलटी में एक उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से ज्यादा सौर ऊर्जा उत्पन्न की जाती है, तो उसका उपयोग किसी अन्य उपभोक्ता द्वारा किया जा सके। इस हेतु ब्लॉक चेन, माइक्रो कन्ट्रोलर एवं इण्टरनेट ऑफ थिंग्स पर आधारित सिस्टम विकसित किये जाने हेतु जे0एस0एस0 एकेडमी ऑफ टेक्निकल नोएडा को शोध परियोजना स्वीकृत की गयी।

4. डेस्क वर्कर्स को निरन्तर व लम्बे समय तक कार्य करने पर बैकपैनध्स्पान्डलाइटिस इत्यादि की समस्या हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिये आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्श, मशीन लर्निंग एवं आई0ओ0टी0 पर आधारित रियल टाइम पोश्चर करेक्शन सिस्टम फार डेस्क वर्कर्स को विकसित किये जाने हेतु मोतीलाल नेहरू नेशनल इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, प्रयागराज को शोध परियोजना स्वीकृत की गयी। पोश्चर गलत होने पर यह सिस्टम डेस्क वर्कर्स को पोश्चर सही करने हेतु वार्निंग देगा।

5. रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा प्लास की खेती को बुन्देलखण्ड के जनजातीय क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने एवं इसकी उन्नत किस्में उपलब्ध कराने का कार्य किया जायेगा। प्लास का उपयोग कलर बनाने में, दोना–पत्ता बनाने में, दवाई बनाने में, प्लाई बोर्ड आदि में होता है। अतः परियोजना के माध्यम से रोजगार उत्पन्न करने एवं किसानों की आय बढ़ाने में सहायता होगी।

6. रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्श के उपयोग एवं ड्रोन की सहायता से ऊर्जा से सम्बन्धित इन्डसट्रीज के एसेट इन्सपेक्शन के कार्य किये जाने हेतु संसाधन विकसित किये जायेगें।

7. किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा मशीन लर्निंग पर आधारित मल्टीपैरामीटरिक एम0आर0आई0 मॉड्ल्स विकसित किया जायेगा, जिससे रीनल ट्यूमर्स के आइडेन्टीफिकेशन, क्लासीफिकेशन एवं डायगोनोसिस में सहायता मिलेगी।

8. पान व तम्बाकू के दुष्प्रभावों के कारण होने वाले गले के कैंसर की डायगोनिसिस देर से हो पाती है। आई0आई0टी0 कानपुर द्वारा एडवांस एंडोस्कोपिक इमेजिंग के माध्यम से पान–तम्बाकू के सेवन के दुष्प्रभावों एवं गले के कैंसर का शीघ्र पता किये जाने हेतु आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्श बेस्ड हेल्थकेयर एप्लीकेशन डेवलेप की जायेगी, जिससे इस घातक बिमारी का ससमय इलाज हो सकेगा एवं कई मरीजो की जान बच सकेगी।

9. परिषद द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं मे कार्य करने वाले रिसर्च स्टाफ की फैलोशिप बढ़ायी गयी। रिसर्च एसिस्टेन्ट की फैलोशिप रू. 20,000.00 से बढ़ाकर रू.25000.00, सीनियर रिसर्च एसिस्टेन्ट की फैलोशिप रू.22,000.00 से बढ़ाकर रू.28000.00 की गयी।

10. कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों विशेषकर आकांक्षी जनपदों, बुन्देलखण्ड एवं पूर्वांचल के पिछड़े जनपदों में भी शोध कार्य कराये जाने का सुझाव दिया गया।

11. इसरो द्वारा स्पेस के क्षेत्र में चन्द्रयान–3, आदित्य एल–1 एवं गगनयान मिशन इत्यादि का कार्य सफलतापूर्वक करते हुए भारत को एक अग्रणी स्पेस शक्ति के तौर पर स्थापित किया है। इस क्षेत्र में उ0प्र0 के विद्यार्थियों में रूचि बढ़ाने के लिये इसरो के साथ समन्व्यय स्थापित कर टीचर्स व स्टूडेन्ट्स के लिए दो दिवसीय वर्कशाप आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

12. जनसमस्याओं के समाधान हेतु कम पढ़े–लिखे, कृषक, शिल्पकार इत्यादियों द्वारा छोटे–छोटे उपकरण तकनीक इत्यादि विकसित किये जाते हैं। परिषद द्वारा इन नवप्रर्वतकों के चिन्हीकरण एवं प्रोत्साहन हेतु प्रदेश के 50 जनपदों में जन जागरूकता एवं नव प्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन कराये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

13. परिषद द्वारा शोध प्रस्ताव के आमंत्रण के समय अपकमिंग क्षेत्रों जैसे– ब्लाक चेन, 3डी प्रिन्टिंग का मेडिकल के क्षेत्र में योगदान, क्वांटम कम्प्यूटिंग, आई0ओ0टी0, डाक्यूमेन्टेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, 5 जी व 6 जी टेक्नोलॉजीस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश, ड्रोन, मशीन लर्निंग, पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण, कृषि तकनीकों, गैर पारम्परिक ऊर्जा तथा स्पेस साइंस इत्यादि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ऐसे शोध प्रस्ताव आमंत्रित किये जायें जो सीधे जनसमस्याओं के समाधान से सम्बन्धित हों।

प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। राजा महेंद्र प्रताप इंटर कॉलेज गुरुकुल के प्रांगण में दूसरे दिन चले माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अंडर 17 तथा अंदर–19 के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने गजब का प्रदर्शन दोहराया अंडर 17 बालिका वर्ग में 1500 मीटर में खुशी ने प्रथम स्थान हिमांशी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान नेहा ने प्राप्त किया।

अंडर–19 बालिका वर्ग 200 मीटर में खुशी ने प्रथम स्थान नरगिस ने द्वितीय स्थान तथा सानिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग शॉट पुट अंडर–19 में शिवम कुमार प्रथम स्थान दूसरा स्थान तुषार नौटियाल तथा तीसरा स्थान छोटू ने प्राप्त किया।

मीटर बालक वर्ग में मयंक ने प्रथम वंश ने द्वितीय तथा तृतीय स्थान वंश कुमार ने प्राप्त किया।

अंडर 14 बालिका वर्ग में आयुषी ने प्रथम शेफाली पवार ने द्वितीय तथा तृतीय स्थान वर्णिका ने प्राप्त किया।

800 मी अंडर 17 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान खुशी दूसरा स्थान आलिया ने तथा तीसरा स्थान गुड़िया गुप्ता ने प्राप्त किया।

डिस्कस थ्रो अंडर 17 बालक वर्ग में मोहम्मद आदिल ने प्रथम स्थान विशाल ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान तनिस ने प्राप्त किया।

बालिका अंदर 17 डिस्कस थ्रो में माही ने प्रथम प्रियांशी ने द्वितीय स्थान तथा कृषि स्थान दीपिका ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार राणा प्रतिभागी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया वही दूसरी ओर ब्लॉक खेल समन्वयक पवन कुमार राणा सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

प्रतियोगिता को संपन्न कराने में संजीव राणा राजकुमार प्रीति सैनी कपिल त्यागी अरविंद चौधरी सुषमा पांडे अनीता सिंह रेनू का वीर सिंह वाजिद अली साजिद अली सौरव पवार सौरव कुमार राजू बालियान प्रशांत राठी सीमा शेरावत आदि लोगों का योगदान रहा।

चित्रकूट में अगले महीने शुरू हो सकता है हेलीपोर्ट

संवाददाता

लखनऊ। देश–दुनिया में विख्यात चित्रकूट धाम दर्शन के लिए आने वाले पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। अगले महीने के अंत तक यहां टेबल टाप हेलीपोर्ट शुरू हो सकता है। इसकी तैयारी अपने अंतिम चरण में चल रही है। इसे अब केवल एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया की हरी झंडी की जरूरत है। हेलीपोर्ट शुरू होने के बाद बुंदेलखंड खासकर चित्रकूट में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों से भरे बुंदेलखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन विकास सरकार की प्राथमिकता में है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुंदेलखंड के पर्यटन विकास पर जोर दिया था। इसके बाद चित्रकूट में देवांगना घाटी के ऊपर टेबल टाप हेलीपोर्ट का निर्माण शुरू हुआ था। इस ऐयरपोर्ट के शुरू होने के बाद कामदगिरि पर्वत और अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए काफी आसानी होगी।

रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग कम करते हुए वैकल्पिक उर्वरक का प्रयोग करें : आकाश चौबे

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) इफको तथा गन्ना विभाग के तत्वाधान से ग्राम बेहटा गो में किसान सभा का आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर कृषि के अंतर्गत रसायनिक ऊर्वरको के प्रयोग कम करते हुए वैकल्पिक उर्वरक जैसे कि नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं जल विलय उर्वरक एवं जैव उर्वरक के प्रयोग पर जोर दिया गया। इफको से क्षेत्रीय अधिकारी आकाश चौबे ने नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के लाभ प्रयोग की विधि, सावधानी पर विस्तृत चर्चा करते हुए जानकारी दी गई कि नैनो यूरिया सामान्य यूरिया से अधिक कारगर सस्ती एवं पर्यावरण अनुकूल है इसके प्रयोग से हमारे देश के लाखों करोड़ रुपए की अनुदान की राशि की बचत भी की जा सकती है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए इफको एमसी से नीतेश कुमार सिंह जी के द्वारा किसानों को गन्ना में लगने वाले कीट एवं रोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई! यह कार्यक्रम गन्ना सोसायटी ग्रोवर हरदोई से सचिव निर्भय कुमार सिंह एवं एस.सी.डी.आई पुत्तन लाल तथा लोनी चीनी मिल से रीजनल कैन हेड चन्द्र वीर सिंह जोनल हेड राजवीर सिंह चीनी मिल गन्ना सुपरवाइजर विपिन कुमार सिंह

की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ ! इस सभा में इफको से एसएफए मोहित पाठक, तथा 200 किसानों ने भाग लिया।

दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए आठ नवम्बर से दीए बिछाने का कार्य होगा शुरू

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियों में तेजी लाई। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय के आला अधिकारियों के साथ गत दिनों राम की पैड़ी एवं चौधरी चरण सिंह घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। 11 नवम्बर को दीपोत्सव कार्यक्रम को लेकर दोनों स्थलों के 50 घाटों पर 24 लाख दीए वालंटियर्स द्वारा बिछाये जायेंगे। इन घाटों पर 14 14 का एक ब्लाक बनाया जायेगा। इसमें 196 दीए सजाये जायेंगे। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तैयारियां जोरों से की जा रही है। 21 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए वालंटियर्स द्वारा 24 लाख दीए राम की पैड़ी सहित 50 घाटों पर बिछाये जायेंगे। 20 अक्टूबर तक दीए एवं अन्य सामग्री को संग्रहित कर लिया जायेगा। इसके लिए राम की पैड़ी एवं चौधरी चरण सिंह घाटों पर पांच स्टोर बनाये गये है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 एस एस मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए 25 हजार वालंटियर्स लगाये जायेंगे। इनकी सूची लगभग बन गई है। 08 नवम्बर को चिन्हित स्थानों पर दीए बिछाने का कार्य शुरू हो जायेगा। इस बार 24 लाख दीपों में करीब एक लाख लीटर सरसों तेल से दीप प्रज्ज्वलित किए जायेंगे। निरीक्षण के समय कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कला उत्सव में शिवम को मिला प्रथम स्थान, किया गया पुरस्कृत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कला उत्सव 2023–2024 में स्थानीय खेल खिलौने की विधा में बालक वर्ग में लाला रामस्वरूप शिक्षा संस्थान इंटर कॉलेज बंथरा का कक्षा नौ का छात्र शिवम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। पारितोषिक देकर शिवम का उत्साह वर्धन किया गया।विद्यालय की कला शिक्षिका डॉक्टर आरती गुप्ता ने बताया कि अब शिवम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लखनऊ मंडल का प्रतिनिधित्व करेगा।

उत्तर प्रदेश के पांच अस्पतालों का होगा कायाकल्प

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाया है। प्रदेश के पांच जिलास्तरीय अस्पतालों का कायाकल्प करने का फैसला किया गया है। इसके लिए वित्तीय स्वीकृत प्रदान कर दी गई है। इस बजट से भवनों की मरम्मत होगी। मरीजों की सुविधाओं के लिए जरूरी संसाधन जुटाए जाएंगे। साथ ही आधुनिक उपकरणों से अस्पतालों को लैस किया जाएगा। बुधवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग को वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक को जल्द से जल्द अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि मरीजों की सहूलियतों के लिए अस्पतालों में संसाधनों बढ़ाए जा रहे हैं। इससे मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। बड़े अस्पतालों में मरीजों का दबाव भी कम होगा।

विनोबा विचार प्रवाह की पांच दिवसीय कश्मीर यात्रा पूर्ण हुई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 24 से 26 सितंबर तक राष्ट्रीय संस्था हरिजन सेवक संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर दादा डा शंकर कुमार सान्याल के आशीर्वाद से आयोजित सद्भावना सम्मेलन और नंदिनी शिविर में देश दुनिया के साथियों से भेंट के उपरांत समापन होने के बाद उर्मिला बहन हरदोई के साथ शाहजहांपुर आश्रम पहुंचना हुआ। 30 सितंबर को सबेरे 07 बजे का फ्लाइट श्रीनगर के लिए लखनऊ से लेना था। अतः रात 2 बजे सीधे विनोबा सेवा आश्रम बरतारा से पप्पू जी के साथ गाड़ी से निकलकर एयरपोर्ट 5 बजे पहुंचे। फ्लाइट ठीक समय पर चलकर अमृतसर होते हुए 10.30 बजे श्रीनगर पहुंचा। बाहर निकलते ही 11 बजे आयोजक वहां की सरकार और आयोजक संस्था जी जी एफ के लोगों ने स्वागत किया। शासन ने हर एक आने वाले गांधी जन को राज्य अतिथि मानते हुए अलग अलग लिएशन ऑफिसर और वाहन तथा अच्छे स्थान पर ठहरने की व्यवस्थाएं जुटाई थी। जो अपने में उम्दा किस्म की थीं। इस कार्यक्रम के सरकार के साथ अपने परिवार के ही साथी सूत्रधार पद्मश्री एस पी वर्मा जी जम्मू से आकर श्रीनगर में ही सभी के स्वागत और अन्य व्यवस्थाओं के लिए सर्किट हाउस में ठहरे हुए थे।

आज ही बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ। शर्लिंग होटल जहां सारे मेहमानों को ठहराया गया था। वहीं बैठकर स्वागत परिचय के बाद गोवा से 26 सितंबर को पधारे श्री कलानंद मणि जी से इतने दिन के अनुभव सुने।उन्होंने एक माह से शिक्षा विभाग।द्वारा चलाई गई 'गांधी उत्सव' मुहिम का सुंदर प्रभाव बताया। उनकी दृष्टि से पीस शांति अमन का यह आखिरी मौका है इसे गंभीरता से उठाया गया है। मेरी होटल में न रुकने के संकल्प को डा एस पी वर्मा ने समझकर मुझे एक भाई फिजान खां साहब के घर ठहरने की व्यवस्था करा दी। मेरा सामान भी उनके बेटे ने अपनी गाड़ी में रख लिया,तब तक श्री सिद्धार्थ राय जी भी आ गए उन्होंने कहा कि बाबू जी हमारे साथ जहां हम अपने संबंध में रूके हैं वहां हमारे साथ रुकेंगे। फिर क्या था बैठक के बाद उनके साथ चश्मे शाही के एक हट में ठहरना हुआ।जो जे के राजभवन के निकट ही थी। एक अक्टूबर को ठीक 10 बजे हम सब डल लेक के तट पर एक कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा रखा गया था। वहां पर जम्मू कश्मीर के राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा साहब का ग्यारह बजे आना हुआ, स्वागत संबोधन के बाद सभी से मिले, उनके साथ गाजीपुर में विनोबा सेवा आश्रम के बीते क्षण याद आए। स्वच्छ आग्रहियों को नाव देकर सम्मान करने के सिन्हा जी बोट से हम सबको साथ लेकर चार चिनार पहाड़ी पर गए जहां जलपान की व्यवस्था भी रखी थी। वापस आकर फिर एक बार विदा लेकर सिन्हा जी गए। उसी दिन प्रसिद्ध परी महल, वोटेनिकल गार्डन, और ललित होटल भी गए जहां गांधी जी और कश्मीर के राजा डा हरी सिंह की भेंट 05 अगस्त 1947 में हुई थी। कश्मीर के खानपान में चावल को दोनो समय प्राथमिकता दी गई है। हम सिद्धार्थ जी के साथ जहां ठहरे थे।वहां गाजीपुर के साथी द्वारा निर्मित भोजन आता था। मुख्य कार्यक्रम जिस विशेष अवसर हेतु जम्मू कश्मीर शासन और गांधी ग्लोबल फैमिली कहें या डा एस पी वर्मा कहें उन्होंने सभी को आने के सूत्रधार बने थे। कार्यक्रम स्थल एस के आई सी सी पहुंचने के लिए सबेरे आठ बजे निकलना था। वही समय मैराथन का भी था अतः सभी मार्ग रोक दिए गए गाड़ी लेने नहीं आ सकी अतः 5 किलोमीटर की पदयात्रा करके वहां पहुंचे। रास्ते में भी गाड़ी रोकी हुई थीं। खैर समय से काफी पहले सभी लोग पहुंच गए। जहां उप राज्यपाल महोदय के सलाहकार, राज्य के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव शिक्षा श्री आलोक कुमार निदेशक तसद्दुक हुसैन साहब एडिशनल सेक्रेटरी दीप राज जी ए डी जी विजय कुमार और राज्य के सभी वरिष्ठ अधिकारी अगवानी के लिए खड़े थे। उपराज्यपाल जी के आने पर सलामी और सीधे मशाल देने पहुंचे जहां अनेक बच्चे गांधी के विभिन्न रूप में बैठे थे। अंदर सभागार में पहुंचते ही राष्ट्रगान की आवाज के साथ गांधी जयंती कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दीप प्रज्वलन पुष्पांजलिऔर उपराज्यपाल महोदय का स्वागत के साथ साथ ही देश के गांधीजनों का साइटेशन पढ़ना एस पी वर्मा का पहला पढ़ना शुरू कर सम्मानित किया गया। सम्मान के क्रम से ही वक्ताओं के बाद सभी को गाजीपुर के सिद्धार्थ राय दिल्ली के विजय कुमार शर्मा बंगलौर के एन नरेंद्र जी, कोयंबटूर के पी एस मूर्ति पूना के विश्वयात्री नितिन भाई मंदसौर मध्य प्रदेश के मुजफ्फर मसूदी गोवा के कलानंद मणि गांधी शांति प्रतिष्ठान के रमेश चंद्र शर्मा सुप्रीम कोर्ट के रामानंद यादव विनोबा सेवा आश्रम के मोहित कुमार मिर्जापुर के श्री विभूति मिश्रा को स्थान दिया गया था।अपने अपने स्थान से सभी सम्मान लेने आते थे तब तक तालियां बजती रहती थीं। अब बारी थी विचार रखने की यहां भी मेजवान एस पी वर्मा जी, विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया, गांधी जी द्वारा निर्मित संस्था हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मी दास, दिल्ली विश्विद्यालय की प्रोफेसर रंजना मुखोपाध्याय और गांधी ग्लोबल फैमिली के सचिव श्री अशोक कपूर जी के विचारों के बाद मुख्य सचिव अनूप मेहता जी सलाहकार भटनागर जी और फिर उपराज्यपाल महोदय का बहुत ही सारगर्भित गांधी जी के चरणों में पूरी श्रद्धा से समर्पित चालीस मिनट का बदलते हुए कश्मीर का दर्शन कराते हुए अति ओजस्वी भाषण आभार के बाद राष्ट्रगान से समाप्त हुआ।

जनपद में लंपी बीमारी से कोई भी पशु प्रभावित नहीं

जिलाधिकारी लगातार कर रहे पशुओं के टीकाकरण की समीक्षा

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई। पशुओं में आजकल लंपी बीमारी की चारों ओर चर्चा है। ऐसे में जनपद हरदोई के लिए खुशी की बात यह है कि जनपद में अभी तक कोई भी पशु लंपी बीमारी से संक्रमित नहीं मिला है। संदिग्ध लंपी बीमारी से संबंधित कुछ प्रकरणों में टीम मौके पर पहुची है और पशु की तत्काल जांच की है। कोई भी पशु लंपी बीमारी से ग्रसित नहीं मिला। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के निर्देशन में जनपद में पशुओं के टीकाकरण का काम जोरों से चल रहा है।

जिलाधिकारी लगातार टीकाकरण की समीक्षा कर रहे हैं। पशुपालन विभाग की टीमों द्वारा माह अगस्त–सितंबर में लंपी बीमारी के कुल 284400 टीके लगाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि लंपी बीमारी का कोई भी संदिग्ध मामला जानकारी में आने पर तत्काल पशुपालन विभाग की टीम को सूचित करें। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया है कि यदि कोई पशु लंपी से ग्रसित पाया जाता है तो तत्काल उसके आइसोलेशन व सैनिटाइजेशन की उचित व्यवस्था की जाए। तत्काल रोगी पशु की चिकित्सा की व्यवस्था की जाए। एहतियात के तौर पर जनपद में 31 अक्टूबर तक गोवंशध्महिशवंश के अंतर्जनपदीय एवं अन्तर्राज्यीय परिवहन पर रोक लगायी गयी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी रचना दीक्षित कहती हैं कि पशुपालन विभाग की टीमें लंपी की रोकथाम के लिए निरंतर सक्रिय हैं।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले विराजमान रामलला करेंगे पंचकोसी परिक्रमा

अयोध्या। डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार।राममंदिर निर्माण के बीच रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की भी तैयारियां चल रही हैं। इसे लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। सोमवार को भी प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरूआत विराजमान रामलला को नगर भ्रमण कराने यानि पंचकोसी परिक्रमा के साथ होगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 16 जनवरी से 24 जनवरी के बीच होगा।

प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की बैठक में समारोह के स्वरूप समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। विचार आया कि प्राण प्रतिष्ठा से पहले सरयू पूजन कर उसके जल से रामलला का अभिषेक किया जाए। फिर उन्हें रथ से नगर भ्रमण कराया जाएगा। पंचकोसी की परिधि में रामलला को भव्य रथ पर सवार कर भव्यता पूर्वक यात्री निकाली जाएगी। इसके बाद रामलला की मूर्ति को जल, फल और अन्न में एक–एक दिन रखा जाएगा जिसे अनुष्ठान की भाषा में जलाधिवास, फलाधिवास व अन्नधिवास कहा जाता है। नौ दिवसीय समारोह के लिए श्रीराम यंत्र की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के समापन के बाद इसे सरयू नदी में विसर्जित कर दिया जाएगा। समारोह में हवन के लिए नौ कुंड बनाए जाएंगे। पूरा कार्यक्रम काशी के विद्वानों की देखरेख में होगा। 108 वैदिक आचार्यों की टीम यह पूरा अनुष्ठान संपन्न कराएगी। समस्त अनुष्ठान काशी के प्रसिद्ध विद्वान गणेश्वर द्विवेदी व आचार्य लक्ष्मीकांत के निर्देशन में होना सुनिश्चित हुआ है। राममंदिर का भूमिपूजन भी गणेश्वर द्विवेदी की देखरेख में हुआ था।

सरोजनीनगर के स्कूलों में बच्चों को बांटे गए निःशुल्क इको फ्रेंडली बैग

संवाददाता

लखनऊ। दूरदर्शिता, संवेदनशीलता, प्रगतिशील विचार, जनता के बीच सक्रियता व जनकल्याण के प्रति समर्पण ये सब सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की खूबियां हैं जो उन्हें हर जनप्रतिनिधि से अलग बनाती हैं। सरोजनीनगर विधायक अपनी अभिनव व अनूठी पहल और योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के हर वर्ग को विकास की कड़ी से जोड़ रहे हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए सरोजनीनगर विधायक द्वारा क्षेत्र में अब तक 40 तारा शक्ति सिलाई सेंटरों की स्थापना की जा चुकी है जिसमें 600 से अधिक विभिन्न प्रकार की सिलाई मशीनें वितरित की जा चुकी हैं। यहां महिलाओं को ट्रेनिंग के साथ–साथ कार्य करने के अवसर भी दिलाए गए हैं। इस सेंटर से 1,200 से अधिक महिलाएं जुड़ कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनी हैं। ऐसे 100 सेंटरों को स्थापित करना डॉ. राजेश्वर सिंह का लक्ष्य है। इन सेंटरों में महिलाओं द्वारा बनाए गए इको फ्रेंडली बैग का बुधवार को सरोजनीनगर के तीन स्कूलों में निशुल्क वितरित किए गए।

प्राथमिक विद्यालय सदरौना, बेसिक विद्यालय सदरौना, प्राथमिक विद्यालय पंडित खेड़ा में पढ़ने वाले बच्चों को डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा निःशुल्क इको फ्रेंडली बैग बांटे गए। बैग के साथ–साथ बच्चों को स्टेशनरी किट और चॉकलेट भी बांटी गईं। इस दौरान प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक भी किया गया। बैग वितरण कर डॉ. राजेश्वर सिंह बच्चों को स्कूल में पढ़ाई के साथ–साथ हर संभव सुविधा–संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्लास्टिक की जगह कपड़े के बने इको फ्रेंडली बैग का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पैरेंटस कांउसलिंग का किया गया आयोजन

जौनपुर। बी.आर.सी.सिरकोनी जौनपुर के सभागार में आज दिनांक 05 अक्टूबर 2023 को 'समेकित शिक्षा के अंतर्गत पेरेंट्स मीटिंग कार्यशाला– दिव्यांग सशक्तिकरण' का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी महोदय सिरकोनी श्री अमरेश कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण के उपरांत उक्त बैठक आहूत की गई।आईटी टीचर प्रमोद दुबे जी ,राम निहोर जी एवं समस्त विद्यालय से आए हुए अभिभावक तथा दिव्यांगजन बच्चों के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी महोदय के द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए उनके अभिभावको को रजिस्टर तथा लिखते हेतु कलम का वितरण किया गया.

अन्त में सभी दिव्यांग बच्चों को 'समर्थ तथा निपुण बनाने के संकल्प के साथ' इस कार्यक्रम का समापन किया गया। आज के इस कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी के साथ सभी विद्यालयों से आए दिव्यांग बच्चे, उनके अभिभावकगण, ए.आर.पी. अशोक कुमार राजभर, डा.कुंवर दरोगा सिंह, पंकज कुमार यादव, सुनील कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह ,प्रा.वि. सिरकोनी के प्रधानाध्यापक विक्रान्त सिंह,अजय सिंह, विद्याप्रकाश सिंह, रजनीश, अखिलेश, अमित,नितेश , दिनेश सहित बी.आर.सी.के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

डालीगंज क्रासिंग के पास कबाड़ मंडी में लगी आग

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के डालीगंज क्रासिंग के पास स्थित कबाड़ मंडी में मंगलवार देर रात आग लग गई। आग की लपटें देख वहां रहने वालों ने आग पर काबू पाने की कोशिश के साथ चौक फायर स्टेशन को सूचना दी। आग की सूचना पर चौक फायर स्टेशन से तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन इलेक्ट्रानिक सामान का कबाड़ होने से आग तेजी से फेल रही थी। जिसके बाद अन्य फायर स्टेशन की आठ और दमकल की गाडियों को बुलाकर आग पर काबू पाया गया।

एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह ने खिलाड़ियों को जीत के लिए बधाई दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकादमी डिग्री कॉलेज की टीम ने स्टार अकादमी को 4–0 से हराकर डॉ राजेश्वर सिंह विधायक के द्वारा आयोजित सरोजिनी नगर फुटबॉल लीग जीती।

एस के डी अकादमी के विद्यार्थियों ने डॉ राजेश्वर सिंह विधायक सरोजिनी नगर, द्वारा आयोजित सरोजिनी नगर फुटबॉल लीग में भाग लिया जिसमें फाइनल मैच स्टार अकादमी के साथ खेला गया।

एस के डी अकादमी डिग्री कॉलेज की टीम ने ना सिर्फ अच्छा प्रदर्शन किया बल्कि 4–0 के स्कोर से स्टार अकादमी को हराकर विजय की ट्रॉफी भी हासिल की।

इस अवसर पर एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह ने सभी खिलाड़ियों को जीत के लिए बधाई दी व भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन करते रहने के लिए शुभकामनायें दी।

संजय सिंह पर ईडी छापेमारी के विरोध में आप का प्रदर्शन, पुलिस और कार्यकर्ताओं में तीखी झड़प

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के घर ईडी की छापेमारी के विरोध में आप के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को लखनऊ में प्रदर्शन किया। राजधानी के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा के पास बड़ी संख्या में पहुंचे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संजय सिंह पर ईडी की छापेमारी को लेकर विरोध जताया। इसके अलावा उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और आप कार्यकर्ताओं के बीच जमकर नोकझोक भी हुई। इसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। बता दें कि दिल्ली एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी आप सांसद संजय सिंह के आवास पर बुधवार सुबह से छापेमारी कर रही है।

राजा महमूदाबाद का निधन,सीतापुर से लेकर लखनऊ तक थी रियासत

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व विधायक राजा महमूदाबाद मो. अमीर मोहम्मद खान का देर रात निधन हो गया। सीतापुर जिले की महमूदाबाद विधानसभा सीट से दो बार कांग्रेस पार्टी से विधायक रहे थे। शत्रु संपत्ति प्रकरण से खासे चर्चा में आए थे। कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़ाई की थी और यहीं के इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी में गेस्ट प्रोफेसर थे।

इनका सामाजिक व साहित्य जगत से गहरा नाता रहा था। आज सुबह इनके बेटे प्रो. अली खान ने फेसबुक मैसेज के जरिए इनके निधन की जानकारी शेयर की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट के जरिए राजा महमूदाबाद के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। अमीर मोहम्मद खान के पिता और महमूदाबाद रियासत के राजा मोहम्मद आमिर अहमद खान पाकिस्तान के संस्थापक जिन्ना के करीबी थे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।